

पुरुषार्थ और संकल्प

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

संसार में किसी भौतिक वस्तु या सुख प्राप्त करने के लिए पुरुषार्थ की आवश्यकता होती है। पुरुषार्थ प्राथमिक आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त वांछित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ऊर्जा, कौशल, दैव (प्रारब्ध या सौभाग्य), और तत्परता (इच्छाशक्ति) भी आवश्यक है। ये पाँच तत्व अत्यंत अनिवार्य हैं। अतः पुरुषार्थ करें। यह विश्वास रखें कि सौभाग्य आपके साथ है और फिर कौशल अर्जित करें। अपनी ऊर्जा और कौशल को कैसे बढ़ाया जाए? जब आप ध्यान और मंत्रोच्चार के द्वारा अपने भीतर की सकारात्मकता को जाग्रत करते हैं, तो यह आपके कौशल, ऊर्जा और सौभाग्य में वृद्धि करता है। इन तीनों के होने के पश्चात भी, आपको पुरुषार्थ करना होगा और फिर यह फलीभूत होने में अपना नियत समय भी लेगा। हमें अपना ध्यान लक्ष्य पर केंद्रित रखते हुए निरंतर कर्म करते रहना होगा; प्रारंभिक समय में बार-बार मिलने वाली असफलता की परवाह किए बिना हमें सतत प्रयास करते रहना चाहिए। प्राचीन वेदों एवं शास्त्रों, वैदिक अनुष्ठानों में, आरंभ में संकल्प का विधान है। संकल्प लें-एक दृष्टि और एक लक्ष्य चुनें और फिर उसे समर्पित कर दें। समर्पण अर्थात उसे ईश्वर को अर्पित करना। यह कहना-यह मेरी इच्छा है, किन्तु आप जो मेरे लिए श्रेष्ठ समझें। यदि यह या इससे भी उत्तम कुछ हो, तो मैं उसे स्वीकार करने को तत्पर हूँ। प्रायः समस्या यह होती है कि हमें स्वयं नहीं ज्ञात होता कि हम वास्तव में क्या चाहते हैं। यदि स्पष्ट हो जाए कि हमें क्या चाहिए, तो उसे प्राप्त करना कठिन नहीं है। अधिकांश समय हम असमंजस में रहते हैं। आज जो इच्छा है, वह कल बदल जाती है। हमारा मन निरंतर परिवर्तित होता रहता है। यही अंतर है- इच्छा और संकल्प में। इच्छा उग्रता से युक्त होती है, जबकि संकल्प उस उग्रता से मुक्त, शांत एवं संतुलित होता है। संकल्प लेने से पूर्व अपनी चेतना का विस्तार करें। इस विराट ब्रह्माण्ड का चिंतन करें- अरबों वर्षों की सृष्टि, असंख्य आकाशगंगाएँ, उनमें एक छोटी-सी पृथ्वी, उस पर एक देश, एक नगर, और उसमें आपका जीवन। समय और स्थान दोनों को अपनी चेतना में समाहित करें। आप जहाँ ध्यान केंद्रित करते हैं, वही आपकी चेतना में प्रकट होता है। यदि आप नकारात्मकता पर ध्यान देंगे, तो वही फलित होगी। स्मरण करें कि मनुष्य ईश्वर की प्रतिमूर्ति है। हम सत्य, सौंदर्य और प्रकाश के अंश हैं। जो कुछ भी आपके जीवन में घटित होता है, वह आपके विकास के लिए होता है। केवल सुख ही विकास नहीं करता, कठिनाइयाँ भी आपको सशक्त बनाती हैं।

दिल्ली में अपने आलाकमान के सामने एचडी कुमारस्वामी ने सीएम शिवकुमार पर साधा निशाना

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के इस समय विवाद चल रहा है. पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया स्टिंग ऑपरेशन और मानहानि विवाद में फंस गए हैं. इसे लेकर मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा था कि उनके मंत्रियों को फंसाने के लिए स्टिंग ऑपरेशन की साजिश रची जा रही है. उनके बयान को लेकर केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने निशाना साधा है. एचडी शिवकुमार ने कहा, कल जब वे दिल्ली गए थे, तो उन्होंने अपने आलाकमान के सामने कहा कि जेडीएस बेवजह स्टिंग ऑपरेशन का मुद्दा बार-बार उठाकर कांग्रेस नेताओं की छवि खराब करने की कोशिश कर रही है. उन्होंने इसके लिए जेडीएस को जिम्मेदार ठहराया.

उन्होंने आगे कहा, मैं मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूं, इस सबके पीछे कौन है? जो व्यक्ति मीडिया के नाम पर एक चैनल चलाता है, वह अक्सर कर्नाटक के मुख्यमंत्री से मिलता है ताकि उनसे जानकारी ले सके कि कांग्रेस नेताओं की छवि खराब करने के लिए आगे क्या करना है।

बेंगलुरु में जेडीएस मुख्यालय जेपी



भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि सिद्दारमैया की छवि खराब करने के लिए बनाए गए स्टिंग ऑपरेशन वीडियो में एक मीडिया कर्मी शामिल है. उन्होंने राज्य सरकार की जांच पर सवाल उठाए और चेतावनी दी कि अगर सरकार आरोपी को अग्रिम जमानत दिलाने में मदद करती है तो जेडीएस चुप नहीं बैठेगी.

कुमारस्वामी ने शिवकुमार के उस बयान पर भी सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा था कि गृह मंत्री प्रियांक खड़गे भी वेणुगोपाल के घर गए थे और उनका वहां होना सिर्फ संयोग था. केंद्रीय मंत्री ने बैठकों की परिस्थितियों पर सवाल उठाया और मुख्यमंत्री पर मीडिया कर्मी की संलिप्तता को कम करके आंकने का आरोप लगाया. कुमारस्वामी ने कहा कि मुद्दा यह नहीं है कि क्या जेडीएस इस मामले का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है. सवाल यह है कि क्या सच सामने आएगा और न्याय होगा. उन्होंने आरोप लगाया कि स्टिंग ऑपरेशन का मकसद सिद्दारमैया की सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाना था और आरोपी के साथ नरमी बरती जा रही है क्योंकि वह मुख्यमंत्री के करीबी हैं. उन्होंने कहा कि उस मीडिया कर्मी की शिवकुमार तक आसानी से पहुंच है.



यामी गौतम की एक्टिंग पर भारी पड़ी कमजोर स्क्रिप्ट

मुंबई (एजेंसी)। बालाजी मोहन के निर्देशन में बनी फिल्म 'नई नवेली' में एक ऐसे परिवार की कहानी दिखाई गई है, जहां हर बात पर बहस होती है। घर में नई दुल्हन आती है और उसका देवर उस पर शक करने लगता है। कहानी में हॉरर और कॉमेडी का मेल करने की कोशिश की गई है। फिल्म की शुरुआत मनोरंजक अंदाज में होती है। पारिवारिक नोकझोंक, अजीब परिस्थितियां और गलतफहमियां कहानी को आगे बढ़ाती हैं। शुरुआती हिस्से में फिल्म अपनी कॉमेडी के दम पर दर्शकों को बांधे रखने में कामयाब रहती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह आगे भी अपना आकर्षण बरकरार रख पाती है? यामी गौतम धर ने फिल्म में मोहिनी का किरदार निभाया है, जो शादी के बाद मेरठ स्थित अपने नए घर में आती है। उसका देवर बंटू (अनुराग ठाकुर) मानता है कि मोहिनी जैसी दिखती है, असल में वैसी नहीं है। उसे अपनी भाभी पर शक होता है और इसी शक के चलते घर में कई मजेदार परिस्थितियां पैदा होती हैं। परिवार के सदस्यों की प्रतिक्रियाएं और उनके बीच होने वाली नोकझोंक फिल्म के शुरुआती हिस्से को दिलचस्प बनाती हैं। इन दृश्यों में कहानी सहज लगती है और कॉमेडी भी बेहतर तरीके से काम करती है। बंटू के किरदार में अनुराग ठाकुर खास तौर पर प्रभावित करते हैं।

भारत-चीन सीमा विवाद का सैन्य समाधान अब संभव नहीं : पूर्व आर्मी चीफ

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने कहा है कि गलवान झड़प के बाद की घटनाओं से यह साफ हो गया कि चीन के साथ सीमा विवाद का कोई सैन्य समाधान संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि इस घटना ने बातचीत और संवाद के जरिए इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिशों को नई गति दी है। नरवणे ने कहा कि चीन के साथ हमारी सीमा का मसला अभी सुलझा नहीं है। मैं जानबूझकर सीमा शब्द का इस्तेमाल कर रहा हूं क्योंकि एक 'इंटरनेशनल बॉर्डर' के विपरीत- जो स्पष्ट रूप से निर्धारित होती है और जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त होती है- 'बाउंड्री' की परिभाषा उतनी स्पष्ट नहीं होती।

उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में सीमा को लेकर असहमति है, वहां झड़पें जारी रहेंगी। उन्होंने गलवान की झड़प को ऐसी ही एक घटना का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि जहां भी असहमति वाले ऐसे इलाके हैं, वहां हमारी झड़पें होती रही हैं और आगे भी होती रहेंगी। पूर्व आर्मी चीफ ने आगे कहा कि गलवान की झड़प इस तरह की घटनाओं का एक और उदाहरण थी। हालांकि, अहम बात यह है कि गलवान के बाद की घटनाओं ने साफ कर दिया है कि चीन के मामले में, सीमा विवाद का सैन्य समाधान अब कोई विकल्प नहीं है।



नरवणे ने यह भी कहा कि सीमाओं को बदलने के लिए एकतरफा तरीके से बल प्रयोग करने के मुद्दे पर भारत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमने साफ कर दिया है कि सीमाओं को बदलने के लिए एकतरफा बल प्रयोग करना स्वीकार्य नहीं है। नरवणे के अनुसार, इस रुख से एक बदलाव आया है और बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने की कोशिशों को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि इससे एक बदलाव आया है और बातचीत के जरिए इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिशों को नई गति मिली है।

उन्होंने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच बातचीत की व्यवस्था के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों के बीच बातचीत की व्यवस्था महत्वपूर्ण है। नरवणे ने आगे कहा कि गलवान झड़प के बाद हुई घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि गलवान से जो सबसे बड़ा सबक मिला है, वह यह है कि भारत ने विश्व मंच पर अपनी साख को काफी मजबूत किया है- चाहे वह सैन्य, राजनयिक या राजनीतिक स्तर पर हो। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प भारत-चीन संबंधों में एक बड़ा मोड़ साबित हुई। इस टकराव में दोनों पक्षों को जान-माल का नुकसान उठाना पड़ा। इस घटना के कारण पूर्वी लद्दाख में लंबे समय तक सैन्य गतिरोध बना रहा, जिसमें दोनों देशों ने एलएसी के पास अपने सैनिक और सैन्य उपकरण तैनात कर दिए। इसके बाद, भारत और चीन ने सीमा पर गतिरोध को सुलझाने और टकराव वाले बिंदुओं से सैनिकों को पीछे हटाने के लिए कई दौर की सैन्य और राजनयिक बातचीत की।

अक्टूबर 2024 में, दोनों देश पूर्वी लद्दाख के डेपसांग और डेमचोक इलाकों में गश्त की व्यवस्था पर एक समझौते पर पहुंचे। इससे 2020 के गतिरोध से जुड़े बाकी टकराव वाले बिंदुओं से भी सैनिकों को पीछे हटाने में मदद मिली। यह समझौता तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, हालांकि इससे सीमा से जुड़ा बड़ा विवाद हल नहीं हुआ। तब से दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिशें जारी हैं। अगस्त 2025 में, शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच एक द्विपक्षीय बैठक हुई।

टाइगर श्रॉफ गोलीबारी मामला : अंधेरी के होटल में ठहरे थे तीन आरोपी, कमरा सील

मुंबई (एजेंसी)। टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी के मामले की जांच में सामने आया है कि अंधेरी स्थित होटल के उस कमरे को अधिकारियों ने सील कर दिया है, जहां तीन मुख्य आरोपियों के ठहरने का दावा किया गया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों के मुताबिक, मुंबई पुलिस की अपराध शाखा इस आरोप की भी जांच कर रही है कि गोलीबारी करने वालों ने घटना से पहले किसी अज्ञात जगह पर गोली चलाने का अभ्यास किया था। जांच के तहत अधिकारियों के तीनों आरोपियों के साथ घटनास्थल का दोबारा पूरा घटनाक्रम तैयार करने (सीन रिक्रिएट) की भी उम्मीद है।

इससे पहले, अभिनेता पर गोलीबारी के मामले में गिरफ्तार चार आरोपियों को गुरुवार को मुंबई की एस्प्लेनेड अदालत (किला कोर्ट) में पेश किया गया था। पुलिस ने अदालत में दी गई रिमांड आवेदन में अनिल पंडित को इस मामले का फरार आरोपी बताया है। अदालत में सुनवाई के दौरान मुंबई पुलिस ने कहा कि गोलीबारी की घटना अनिल पंडित के कहने पर की गई थी। अदालत ने चारों आरोपियों को 26 अक्तूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने उन्हें 31 अक्तूबर तक हिरासत में रखने की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने यह मांग खारिज कर दी।

मुंबई की एस्प्लेनेड अदालत में पेश किए गए चारों आरोपियों को राजस्थान के कोटा से मुंबई लाया गया था। अदालत में पेश करने से पहले उनकी मेडिकल जांच कराई गई थी।

यह घटना 18 अक्तूबर को शाम करीब सात बजे जुहू में हुई थी। उस समय टाइगर श्रॉफ एक फुटबॉल क्लब से बाहर निकल रहे थे। इस दौरान अभिनेता को कोई चोट नहीं आई थी, जबकि उनके चालक को चोटें लगी थीं। इस बीच, मंगलवार को टाइगर की टीम ने अफवाह फैलाने वालों को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की थी। टीम ने अभिनेता के नाम से गलत बयान, बिना अनुमति जारी किए गए संदेश और एआई से बनाए गए वीडियो फैलाने पर आपत्ति जताई। इन वीडियो और बयानों को गलत तरीके से अभिनेता से जोड़ा जा रहा था।

फेल प्रॉडक्ट की बार-बार लॉन्चिंग राहुल देश के लिए बने पहेली

नयी दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने विपक्षी दलों पर देश में अस्थिरता और रिजीम चेंज (सत्ता परिवर्तन) की साजिश रचने का आरोप लगाया है। बीजेपी प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने हाल ही में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखे राजनीतिक हमले किए हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी के सभी प्रयोग विफल हो रहे हैं। उनका ट्रैक रिकॉर्ड कांग्रेस के लिए समस्या बन गया है। राहुल गांधी चंपत होकर चंपा हो गए हैं और विदेशों से आकर देश-विरोधी प्रचार करते हैं।

बता दें कि शिवसेना के नेता संजय राउत के उस बयान के बाद भारत की

भाजपा का विपक्ष पर बड़ा हमला

राजनीति में 'रिजीम चेंज' को लेकर बड़ा विवाद छिड़ गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी के वियतनाम से लौटने पर देश में रिजीम चेंज होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लोकसभा में अपने सबसे निम्न स्तर पर पहुंचीं। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 50 के नीचे आ गई। बीजेपी प्रवक्ता ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी ने कई राजनीतिक प्रयोग किए और सभी विफल रहे।

राहुल गांधी ने पार्टी के भीतर चुनाव कराने की बात कही लेकिन कुछ नहीं हुआ। राहुल ने वंशवादी राजनीति के खिलाफ बात की, लेकिन गांधी परिवार से ही तीन लोग सांसद हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी विदेश जाकर संदिग्ध लोगों से मिलते हैं और भारत विरोधी प्रचार करते हैं।

उन्होंने राहुल गांधी के उन बयानों का जिक्र किया, जिनमें उन्होंने अधिकारियों से संदेश मिलने और चुनाव आयोग से जुड़े लोगों से जानकारी मिलने की बात कही थी।

पारंपरिक युद्ध में चीन से मुकाबला करना मुश्किल : आईटीबीपी डीजी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पिछले तीन महीने से अरूणाचल प्रदेश से सटी एलएसी पर चीन की सेना से चल रहे फेसऑफ (गतिरोध) को लेकर आईटीबीपी के डीजी ने किया है बड़ा खुलासा. इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के मुताबिक, पारंपरिक युद्ध में चीन से मुकाबला करना मुश्किल है, ऐसे में हिमवीरों को हाई-ऑल्टिट्यूड वॉरफेयर के लिए कमर कसकर रखनी होगी.



राजस्थान के अलवर में आईटीबीपी के ट्रेनिंग सेंटर में हिमवीरों को संबोधित करते हुए कपूर ने कहा कि पिछले कुछ समय से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कई बार चीन की पीएलए-आर्मी के सैनिकों से भारतीय सैनिकों के साथ टकराव की स्थिति पैदा हुई है. आईटीबीपी ने उनका बेहतर तरीके से मुकाबला किया है. इसके लिए आईटीबीपी-डीजी ने शौर्य कमांडो की बहादुरी को भी सराहा. चीन सीमा पर तैनात करने के लिए खड़ी की गई इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस का इतिहास समझाते हुए महानिदेशक ने जवानों को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लड़ने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया.

पिछले 03 महीनों से अरुणाचल प्रदेश में चीन के साथ टकराव की अपुष्ट खबरें आती रही हैं, लेकिन आईटीबीपी के डीजी के बयान से इस तनातनी की पुष्टि हो चुकी है. हालांकि इस फेसऑफ को लेकर भारत और चीन के सैन्य अधिकारी बैठकर बात कर चुके हैं, लेकिन ये मामला अबतक सुलझा नहीं हैं. जानकारी के मुताबिक अरुणाचल के अपर सुबानसरी जिले के असफिला-ताकसिंग में चीनी सैनिकों ने एलएसी के बेहद करीब अपने तंबू गाड़ लिए हैं. ऐसे में भारतीय सैनिकों ने भी करीब में डेरा डाल लिया है. डीजी के मुताबिक, शौर्य कमांडो प्लाटून ने पीएलए के साथ आमने-सामने की स्थितियों में प्रभावी जवाब दिया. शौर्य कमांडो अब हर बॉर्डर बटालियन में होंगे और आईटीबीपी को एक अलग पहचान देंगे. पिछले 2-3 महीने से अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबानसरी इलाके में दोनों देशों की सेनाएं आमने सामने हैं और टकराव की स्थिति बनी हुई है. दोनों देशों के कोर कमांडर स्तर की बैठक से भी कोई हल नहीं निकल पाया है.

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की दीवारों पर 'फ्री कश्मीर' का नारा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में दीवारों पर विवादित और आपत्तिजनक नारों को लिखे जाने की बात सामने आई है। कश्मीर और शरजील इमाम को 'फ्री' करने के नारे लिखे गए हैं तो आरएसएस, एबीवीपी और वीसी के खिलाफ भी नारे लिखे गए हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने इन नारों को लेकर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। फिलहाल यूनिवर्सिटी प्रशासन की प्रतिक्रिया इस पर सामने नहीं आई है और दिल्ली पुलिस को भी शिकायत नहीं मिली है। जामिया मिल्लिया की दीवारों पर कई जगह फ्री कश्मीर के नारे लिखे गए हैं। इसके अलावा दिल्ली दंगों के मास्टरमाइंड होने के आरोपी शरजील इमाम को जेल से आजादी देने की मांग की गई है और उसके नाम के साथ दिल बनाकर प्यार जाहिर किया गया है। 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के मामले में स्टूडेंट एक्टिविस्ट शरजील इमाम करीब छह साल से जेल में बंद है। इमाम के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज है और पुलिस उसे साजिशकर्ताओं में से एक बताती है। इन दंगों में 53 लोगों की मौत हुई थी और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। सोशल मीडिया पर कई ऐसे तस्वीरें भी वायरल हो रही हैं, जिनमें इस्लाम को लेकर भी कुछ बातें लिखी गई हैं। एबीवीपी ने इन नारों को लेकर आपत्ति जाहिर करते हुए सख्त ऐक्शन लिए जाने की मांग की है।

यह घटना ऐसे समय पर सामने आई है जब छात्र संघ बहाल करने की मांग को लेकर कैंपस में छात्रों का धरना प्रदर्शन चल रहा है। भूख हड़ताल कर रहे छात्रों को हटा दिए जाने के बाद शनिवार को एक बार फिर प्रदर्शनकारी परिसर में दाखिल हो गए।

आधा सेंटीमीटर से भी छोटे छेद से दूरबीन द्वारा फुल स्पाईन की हर तरह के ऑपरेशन के लिए पूर्वी भारत का पहला केन्द्र

- कोई चीरा नही
- बेहोशी की जरूरत नही
- कम खर्च / रियायती
- खून चढ़ाने की जरूरत नही
- दो घंटे में चलना, दर्द रहित
- अगले दिन छुट्टी

किंग्सवे मेडिकल सेन्टर, पटना
Mob. : 7033000109
(पी.जी. आई. चंडीगढ़ के डाक्टरों द्वारा संचालित)
देश व दुनिया के सर्वोच्च संस्थानों में कार्य अनुभव



डा. आनंद भूषण
MBBS (मणिपाल), MS ऑर्थो, राजस्थान (गोल्ड मेडल)
SRD (पी.जी.आई., चंडीगढ़)
किंग्स कॉलेज, लंदन, UK WWL हॉस्पीटल, राइनिंगगन, इंग्लैंड
हड्डी जोड़, नस, लिगामेंट एवं गठिया रोग विशेषज्ञ
स्पाईन एंडोस्कोपी व ज्वाइंट सर्जन (दूरबीन पद्धति)

अब आपके शहर पटना में राम मनोहर लोहिया हास्पीटल, नई दिल्ली के 25 वर्षो के अनुभवी प्रख्यात हदय रोग विशेषज्ञ डॉ0 ए0 के ठाकुर उपलब्ध है।

HEALTHY HEART CLINIC
Dr. A. K. THAKUR
MD, DM, CARDIO (Gold Medalist)
PGI, RML Hospital, New Delhi
Visiting Consultant at
Asian City Hospital, Patna



ECG, ECHO, HOLTER, TMT, ABPM, ILR, ANGIOGRAPHY, ANGIOPLASTY, PACEMAKER ICD, CRTD इत्यादि की सुविधा उपलब्ध है।
आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री राहत योजना एवं TPA / इंश्योरेंस से कैशलेस इलाज की व्यवस्था
Adult Vaccination Available
एम 2/36, श्रीकृष्णापुरी, मिश्रा फार्मा के बगल में, कृष्णा अपाटमेंट के सामने, बोरिंग रोड, पटना
7061824674, 7250257778

सिंदूर, बिंदी और चूड़ियां : करवा चौथ पर क्यों करते हैं सोलह श्रृंगार

वाराणसी (एजेंसी)। साड़ी के साथ चूड़ियों का रंग मिलाना है, मेहंदी का डिजाइन चुनना है और शादी की चुनरी भी निकालनी है. करवा चौथ की तैयारियों में पूजा के सामान के साथ श्रृंगार की लिस्ट भी बनती चलती है.

कोई पुराने गहनों को साफ करके रखती है तो कोई इस बार नई बिछिया पहनने की सोचती है. पहली बार व्रत रखने वाली महिलाओं के मन में उत्साह के साथ सवाल भी होते हैं कि सोलह श्रृंगार में क्या-क्या आता है?

इस साल करवा चौथ 29 अक्टूबर 2026, गुरुवार को मनाया जाएगा. कार्तिक कृष्ण चतुर्थी पर महिलाएं पति की दीर्घायु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना से व्रत रखती हैं. शाम की पूजा और चंद्रमा को अर्घ्य देने के साथ सोलह श्रृंगार भी इस पर्व की खास पहचान है. करवा चौथ पर गहनों के डिब्बे खुलते हैं तो उनके साथ कई यादें भी निकल आती हैं. शादी में पहना हार, मां की दी हुई चूड़ियां या सास से मिली पायल, इन चीजों की अहमियत उनकी कीमत से कहीं ज्यादा होती है. कई महिलाएं इसी लगाव के कारण इस दिन शादी का जोड़ा दोबारा पहनना पसंद करती हैं. सिंदूर, चूड़ियां, मंगलसूत्र और बिछिया को अलग-अलग



समुदायों में सौभाग्य और विवाहित जीवन का प्रतीक माना जाता है. करवा चौथ पर इन्हें पहनने की परंपरा इसी भावना से जुड़ी है. हालांकि हर परिवार की रीति एक जैसी नहीं होती. कहीं मंगलसूत्र पहना जाता है तो कहीं गले के दूसरे पारंपरिक आभूषणों को महत्व मिलता है. सामान जुटाते समय अक्सर यहीं उलझन होती है. किसी सूची में महावर मिलता है तो किसी में इत्र और गजरा. दरअसल, सोलह श्रृंगार की कोई एक सूची सभी क्षेत्रों में समान रूप से प्रचलित नहीं है. स्थानीय परंपराओं के अनुसार इसमें कुछ चीजें बदल जाती हैं. ज्योतिष में शुक्र को सौंदर्य, आकर्षण, वस्त्र, आभूषण, सुगंध और दांपत्य सुख का कारक माना जाता है. इसी वजह से सजने-संवरने की परंपरा को शुक्र से जोड़कर समझाया जाता है. लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि गहने पहनते ही कुंडली का शुक्र मजबूत हो जाएगा. ग्रह का फल उसकी राशि, भाव, दृष्टि, बल और दशा जैसी स्थितियों से देखा जाता है. इसलिए करवा चौथ के श्रृंगार को वैवाहिक परेशानियां दूर करने का निश्चित उपाय बताना सही नहीं होगा.

विशाल प्राइवेट आईटीआई बोधगया
पता:- अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास, गया-डोभी रोड
"डीएवी पब्लिक स्कूल, कैंट एरिया बोधगया से 200 मीटर की दूरी पर स्थित"
(इलेक्ट्रीशियन बैच 2027-29 के लिए प्रवेश चल रहा है)
आकाश प्रियदर्शी:- ट्रस्टी उर्फ युवा समाज सेवक गया
अलका कुमारी :- मैनेजमेंट हेड सह लाइब्रेरियन इंचार्ज
नागेंद्र कुमार सिंह:- प्रिंसिपल
किसी भी प्रश्न के लिए हमें कॉल करें:-
7488765709, 6200237219, 9934735170, 9546478687



शोक संदेश

आपको बड़े दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्यनीय पिताजी

डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह

(पूर्व चेयरमैन दी नवादा सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक नवादा)

अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके दिनांक 20.10.2026 दिन मंगलवार को प्रभु चरणों में लीन हो गए हैं। उनकी आत्मिक शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा दिनांक 31.10.2026 दिन शनिवार समय सायं 04 बजे से 09 बजे तक संपन्न होगी।

ब्रह्मभोज : समय सायं 06 बजे से
बरखी : 01.11.2026
स्थान : निजी आवास ग्राम पोस्ट बैजनाथपुर थाना सीतामढ़ी।

!! शोकाकुल परिवार!!
डॉ दीपक चंद्रा (पुत्र), अंजुला राय, दीक्षा, काजल सिंह (पुत्री)
एवं समस्त परिवार।